08

अमरूद का पेड़

उद्देश्य : पुराना पीढ़ी के द्वारा मानें जा रहे अंधविश्वासों को दूर करने का प्रयास।

रचनाकार/कवि का परिचय : नाम : ज्ञानरंजन, जन्म – 21 नवम्बर, 1931 ई॰ को अकोला (महाराष्ट्र) में। हिन्दी कहानीकारों की सातवें दशक में उभर कर आई पीढ़ी में अग्रगण्य कथाकार। सम्मानः–: मैथिलीशरण गुप्त सम्मान।

प्रमुख रचनाएँ : – फेस के इधर और उधर यात्रा, सपना नहीं, क्षमाजीवी। बहुचर्चित साहित्यिक पत्रिका 'पहल' का संपादन एवं प्रकाशन

अधिगम प्रतिफल :

- जब बच्चे किसी रचना को पढ़ते या सुनते हैं, तो उसके सामाजिक मूल्यों पर आपस में माता–पिता के साथ चर्चा करते हैं। उसका कारण जानने की कोशिश करते हैं
- पढ़कर अपरिचित परिस्थितियों और विभिन्न घटनाओं की कल्पना करते हैं और उन पर अपने मन में बनने वाली छवियों, विचारों, उदाहरणों घटनाओं को लेखन– के माध्यम से या ब्रेल भाषा में अभिव्यक्त करते हैं।
- अपने अनुभवों को अपनी भाषा शैली में लिखते है जैसे निबंध, कथा, टिप्पणी, अनुच्छेद आदि तरीकों का प्रयोग करते हैं।

पाठ का परिचय– इस पाठ में लेखक ने अपने घर के पीछे अर्थात् पश्चिम में लगे एक अमरूद के पेड़ से अपने जुड़ाव और उसके कारण घर में आए आशंकाओं का बड़ा ही मार्मिक वर्णन किया है।

अपने माता जी के अंदर गहरे बैठे, इस पेड़ से जुड़े अंधविश्वास को दूर करने का लेखक का असफल प्रयास और इसी कथा में हम देखते हैं कि अगली पीढ़ी अर्थात् लेखक एवं उनके भाई–बहन के द्वारा इस प्रकार के अंधविश्वास पर रोष (गुस्सा) प्रकट करना, भविष्य में ऐसी चीजों को जड़ से उखाड़ फेंकने के प्रति विश्वास जगाती है।

© JCERT not to be republished

सार संक्षेप–

लेखक अपने घर के सामने एक अपने आप उगते, फिर बढ़ते, अमरूद के पेड़ को काफी दिनों से देख रहे थे। जिस पर परिवार के लोगों की काफी उदासीनता थी चूँकि पहले ही कन्हैयालाल की बूढ़ी पत्नी कह चुकी थी कि पश्चिम की तरफ अगर मकान का मुखड़ा हो तो सामने अमरूद का पेड़ अपशगुन होता है। यह बात लेखक के माता जी के हृदय में चुभ चुकी थी। फिर घर में होने वाली हरेक अपशगुन और घटनाओं का दोष अमरूद पर ही दिया करती थीं,जबकि घर के सारे बच्चे मिद्दू, पप्पू, लेखक आदि सभी माता के इस विचार का विरोध करते थे। इस कहानी में लेखक की माँ–पिता, बड़े आजाद ख्याल के थे। उनके पूरे परिवार ने दकियानुसी विचारों का खंडन किया था, फिर भी जब लेखक सहित घर के अन्य भाई–बहन, धीरे– धीरे अलग शहरों में नौकरी आदि के लिए बँटने लगे, तो बचपन की यादें अमरूद का पेड़, उसके फल और माता जी का प्यार हृदय में उमड़ने लगा।

अब जब लेखक अलग शहर में रह रहे थे, घरवालों से पत्रों के द्वारा संवाद होता था, उन संवादों का एक हिस्सा अमरूद का पेड़ ही होता था, जिसमें बारी–बारी कहा जाता था कि माँ के बाएँ फेफड़े में धब्बा था वह पुनः उभर आया है, यह सब किसी अशुभ–ग्रह नक्षत्र का दुष्परिणाम है और सबसे बड़े भाई चूल्हा–चौका, अलग करने के लिए एक तनाव पैदा कर रहे हैं। इस प्रकार से तरह–तरह के कारण अमरूद काटने के लिए बताए जा रहे थे।

लेखक और उनके भाई बहन इस रूढ़िवादी विचारधारा से काफी दुखी थे। वे नहीं चाहते थे कि अमरूद का पेड़ कटे, किन्तु माँ के रूढ़ि और अशुभ के मिथ्या भय ने पराजित कर दिया था। माँ का मन मान बैठा था कि बड़ी बहु की अलगाव–भावना, सबसे छोटे का निठल्लापन, खुद उसकी बीमारी और लोगों का धंधे से बिखर जाना सब अमरूद के पेड़ के लगे रहने का दुष्परिणाम है। इन सभी कारणों से पेड़ काट दिया गया। लेकिन मिद्दु, पप्पु और लेखक सहित सभी इन पुरानी विचारधारा का विरोध कर रहे थे, जो अपने आप में रुढ़ि का खण्डन है। लेखक को इस बात की खुशी है, लेकिन दुख इस बात का है कि माँ और उनका पूरा परिवार पूरी तरह से आधुनिक विचारधारा से प्रभावित थे, तो अन्त में उन्हें रूढ़ियों ने जकड़ लिया और उस कोमल फलदायी तरु को काट दिया गया।

आशय स्पष्ट करें:

(गद्यांश की व्याख्या–1)

I. **घर के सामने––––––––––––––––––––व्याप्ति हो आती थी। (पृष्ठ सं–57–58)**

© JCERT not to be republished

कठिन शब्द

उदासीनता, कुनबे, चुनौती, भर्त्सना, मुखाकृति, व्याप्ति

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 10–20 शब्दों में दें:–

(क) लेखक किसे बढ़ते हुए देख रहे हैं?

(ख) लोगों ने किसके प्रति काफी उदासीनता दिखायी?

(ग) बाबू कन्हैयालाल की बूढ़ी पत्नी ने एक दिन क्या कहा ?

(घ) किसके चेहरे पर भय छा गया?

(ङ) किसे विश्वास था कि पिछडे ख्यालातों का हमारे घर में गुजर नहीं हो सकेगा।

(च) लेखक के घर की क्या विशेषता थी?

(छ) लेखक अंदरूनी तौर पर किस भाव के अंकुर होने की बात कर रहे हैं।

(ज) अम्मा किस भय से व्याप्त रहती थी?

(गद्यांश की व्याख्या–2)

II. सात्तावन की बरसात——————————निरंतर धनिक बनाने वाला कोष।
(पृष्ठ सं–58–59)

कठिन शब्द

मातृत्व, प्रतीक्षा, स्वप्न, आत्मीयता, धनिक, कोष

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 10–20 शब्दों में दें।

(क) अमरूद के तीन–चार सफेद फूल किसने दिखाए?

(ख) वय का ओप किस पर चढ़ रहा था?

(ग) घोष बाबू के माली ने माँ को क्या बताया?

© JCERT not to be republished

(घ) लेखक को कब लगा अपशकुनी विश्वासों की जहरीली छाया हमारे कोमल मीठे अमरूद तरु पर नहीं पड़ी?

(ङ) अमरूद का पेड लेखक एवं उनके परिवार का हिस्सा बन गया कैसे ?

(गद्यांश की व्याख्या–3)

III. दूसरे बरस————————————————————————अब पूरे परिवार का एक खूबसूरत हिस्सा हो गया है। (पृष्ठ सं 59–60)

कठिन शब्द

(1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 10–20 शब्दों में दे?

(क) जाड़े में अमरूद किस प्रकार हो जाते थे ?

(ख) अमरूद कब तोड़ लिए जाते थे?

(ग) अमरूद किस प्रकार घर में खाए गए?

(घ) लेखक को क्या रोमांचित करता था?

(ङ) अमरूद की छाया में लेखक और उनके भाई–बहन क्या–क्या किया करते थे?

(च) अपशकुनों के आरोपों को नष्ट करता हुआ कौन लेखक के परिवार का हिस्सा हो गया है?

(गद्यांश की व्याख्या–4)

IV. अमरूद फलता–फूलता————————————————————————स्पर्श करने लगा था। (पृष्ठ सं–60)

कठिन शब्द

निहायत, क्लेश, शीघ्रातिशीघ्र, तत्पर, साँझ, दुर्बल, जागृति, निमग्न, आत्मसंतुष्टि, बलिष्ठ, क्षुब्ध, समाजशास्त्री, स्पर्श

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर–10–20 शब्दों में दें।

(क) पप्पु ने छोटा–सा झुला कहाँ लगाया था?

© JCERT not to be republished

(ख) लेखक जिस दिन नौकरी के लिए दूसरे शहर जा रहे थे, उस दिन उन्हें कैसा महसूस हुआ?

(ग) जमुना– पुल पर डुबी हुई साँझ मे लेखक को किसकी–किसकी याद आई, क्यूँ?

(घ) अमरूद के पेड़ के माध्यम से लेखक अपने अंदर जागृति क्यों महसूस करते थे?

(ङ) माँ किन नए और बलिष्ठ ख्यालों के प्रति असभ्योग कर रही थी?

(च) जब–जब अशुभ के ठेकेदारों ने अमरूद के बाबत कुछ कहा, लेखक और उनके भाई–बहनों ने क्या जवाब दिया?

(गद्यांश की व्याख्या–5)

V. जीवन नए अनुभवों————————————————————एक चिट्ठी माँ को लिख दी थी। (पृष्ठ सं 60–61)

कठिन शब्द

व्यतीत, जज्बाती, घातक, दुष्परिणाम, यक्ष्मा, ग्रसित, द्रवीभूत, श्रेयस्कर, मुहाल, प्रसंग

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 10–20 शब्दों में दें:–

(क) मिद्दू ने किसके साथ अमरूद भिजवाए थे?

(ख) मिद्दू ने खत में क्या लिखा?

(ग) पिताजी की चिट्ठियाँ किस प्रकार की होती थीं?

(घ) लेखक थोडे ही समय में किस प्रकार का परिवर्तन महसूस करते हैं?

(ङ) माँ की बीमारी के बारे में लेखक के पिता की क्या राय थी

(च) अब संपादक किन कहानियों से ऊब गए हैं?

(छ) आज क्या असत्य नहीं रह गई?

(ज) पिता ने किस चखचख की बात कही है?

(घ) किसके चेहरे पर भय छा गया?

© JCERT not to be republished

(गद्यांश की व्याख्या–6)

VI. **राखाल हमारे पेड़————————————————————शायद मैं बहुत व्याकुल था ?**
(पृष्ठ सं 61–62)

कठिन शब्द

किंचित, रफ्ता–रफ्ता, आतुर, उत्तेजित, विराटता, सक्रिय,

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें–:

(क) राखाल जो अमरूद लाया था वे कैसे थे?

(ख) लेखक भावुक क्यों हो गया?

(ग) जब लेखक छोटे थे तो अमरूदों के लिए क्या करते थे ?

(घ) अब लेखक को गौरव किस बात का है?

(ङ) पप्पू को भौजाई से डाँट क्यों पड़ती थी?

(च) अमरूद के बारे में फैशनेबुल ढंग से 5 लेखक ने क्या सोचा?

(छ) घर जाने की पहली छुट्टी मिलने पर लेखक को कैसा लगा?

(ज) 'सुखद पर बेचैन रात' का क्या आशय है?

(झ) इलाहाबाद की आत्मा में क्या है?

(गद्यांश की व्याख्या–7)

VII. **लड़के उठकर मुझे————————————————————तेजी से बड़ा होता दीख पड़ा।**

कठिन शब्द

आश्वासन, सणजीवी, तसल्ली, क्षोभ, प्रयत्न, पराजित, सामर्थ्य, आश्वासन, निठल्लापन, दुष्परिणाम

© JCERT not to be republished

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 10–20 शब्दों में लिखें–:

(क) घर पहुँच कर लेखक को खेद क्यूँ हुआ?

(ख) लेखक को किसका चित्र याद आया?

(ग) बूढ़े पेड़ की आत्मा क्यों सुखी है? क्यों?

(घ) अमरूद को काट कर किस चीज की क्यारियाँ बनी?

(ङ) माँ को किसने पराजित किया?

(घ) माँ क्या मान बैठी थी?

(च) मिद्दू के गुस्से का क्या कारण था?

(छ) लेखक को मिद्दू का झोभ अच्छा क्यों लगा?

अन्य महत्वपूर्ण–प्रश्न

1. अपने आस–पास पल रहे अंधविश्वासों की सूची बनाइए और इनके कुछ सुझाव बताइए?

2. किसी के अहाते में फलदार वृक्ष हैं और उन पर ढेर सारे फल लगे है। उन फलों को देखकर बच्चों के मन में क्या–क्या भाव उठते होगें? उन फलदार क्षेत्रों के मालिक फलों का क्या करते होगें? लिखिए।

© JCERT not to be republished

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. लेखक घर के सामने किस चीज़ का पेड़ उगा था?

   (क) केला (ख) गुलदाउदी (ग) आम (घ) अमरूद

2. बाबू कन्हैयालाल की बूढ़ी पत्नी ने अमरूद के पेड़ के बारे क्या कहा?

   (क) पश्चिम की तरफ मकान का मुखड़ा हो तो सामने अमरुद का पेड़ शुभ होता है।

   (ख) पश्चिम की तरफ मकान का मुखड़ा हो तो सामने अमरूद का पेड़ अशुभ होता है।

(ग) पश्चिम की तरफ मकान का मुखड़ा हो तो सामने केले का पेड़ शुभ होता है।

(घ) पश्चिम की तरफ मकान का मुखड़ा हो तो सामने केले का पेड़ अशुभ होता है।

3. लेखक की माँ कहाँ का जेल कर चुकीं थी?

(क) लाहौर (ख) अजमेर (ग) इलाहाबाद (घ) दिल्ली

4. लेखक की बुआ ने विवाह क्यों नहीं किया?

(क) पढ़ने–लिखने के कारण

(ख) पड़ोसियों के कारण

(ग) घर की समस्याओं के कारण

(घ) बाबू कन्हैया लाल की पत्नी के कारण

5. किसने अंतरजातीय विवाह, किया?

(क) लेखक के चचरे भाई ने

(ख) लेखक के अपने भाई ने

(ग) खुद लेखक ने

(घ) कन्हैया लाल ने

6. कौन बेहद बेहूदा–फूहड़ बात कहती है?

(क) लेखक की माँ

(ख) लेखक का भाई

(ग) लेखक की बुआ

(घ) कन्हैया लाल की बुढ़ी पत्नी

7. अम्मा की प्रीतिकर, सुंदर मुखाकृति पर क्या व्याप्त रहता था?

(क) सुख (ख) भय (ग) निराशा (घ) पिछड़ापन

© JCERT not to be republished

8. किसने बताया कि अमरूद में तीन–चार सफेद फूल आ गए हैं?

(क) पप्पू (ख) राखाल (ग) मिद्दू (घ) पिताजी

9. बरामदे की खिड़की पर तेज बारिश में लेखक किसे अमरूद का फूल दिखा रहे थे ?

(क) राखाल को (ख) माँ को (ग) पिताजी को घ) पप्पू को

10. पहली फसल के फल तोड़कर फेंक देने से, दूसरी बारी में फल खूब और अच्छे आते हैं। किसने कहा?

(क) घोष बाबू के माली ने

(ख) कन्हैया लाल की बूढ़ी पत्नी ने

(ग) मिद्दू ने

(घ) लेखक की माँ ने

11. अमरूद की पत्तियों में सूरन पकाकर खाने को किसका जी ललचता था?

(क) माँ का

(ख) चुन्नू का

(ग) दीदी का

(घ) पिताजी का

12. लेखक किस बात को लेकर रोमांचित हो उठते हैं–

(क) नई पीढ़ी बड़े अनुपात में आधुनिक हो चली है,

(ख) नई पीढ़ी बड़े अनुपात में पिछड़ी हो चली है,

(ग) पिताजी पिछड़े हो चले हैं।

(घ) माता जी पिछड़ी हो चलीं हैं।

© JCERT not to be republished

13. अब कौन पूरे परिवार का एक खूबसूरत हिस्सा हो गया है?

(क) तोता (ख) गुलदाउदी (ग) केला (घ) अमरुद

14. अमरूद की याद लेखक को अपने अंदर किस चीज का भान कराता रहा हैं?

(क) जागृति (ख) दुर्गति (ग) सद्गति (ग) क्लेश

15. माँ किससे असहयोग कर रही थी ?

(क) पिताजी के साथ।

(ख) बच्चों के साथ।

(ग) देश के साथ।

(घ) कन्हैया की बूढ़ी पत्नी के साथ।

16. किसने अमरूद और खत भिजवाए?

(क) मिद्दू ने (ख) राखाल ने (ग) पप्पू ने (घ) चुन्नू ने

17. एहसास की चादर ओढ़ने का प्रयत्न किनकी चिट्ठियों में होता था?

(क) राखाल की (ख) सिद्धू की (ग) पप्पू की (घ) पिताजी की

18. 'माँ के बाएँ फेफड़े में जो धब्बा था वह पुनः उभर आया है, यह सब किसी अशुभ ग्रह–नक्षत्र का दुष्परिणाम है। यह किसका कथन है?

(क) लेखक का (ख) पिताजी का (ग) कन्हैया लाल का (घ) चुन्नू का

19. भौजाई से पप्पू को किस बात की डाँट पड़ती थी?

(क) वह जिसे चाहे उस पर अमरूद लुटाता था।

(ख) वह अमरुद खूब खाता था।

(ग) वह अमरूद तोते को खूब खिलाता था।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

© JCERT not to be republished

20. पहली छुट्टी में लेखक को घर जाने की बड़ी उत्सुकता थी, किन्तु तड़के सुबह उठकर लेखक को खेद क्यों हुआ?

(क) जमुना–ब्रिज से गुजरती गाड़ी को देखकर

(ख) अजीब भयानक सी विरानता का ख्याल आने पर

(ग) लेखक की अपनी व्याकुलता देखकर

(घ) लेखक के प्रति घर के बड़ों में कोई स्वागत भाव न देखकर

21. जब लेखक एवं भाई बहनों में धीरे–धीरे जिंदगी की बुलंदी विकसित हो रही थी, तब क्या हो गया?

(क) उनकी माँ को मिथ्या भय ने पराजित कर दिया

(ख) उनके पिता को मिथ्या भय ने पराजित कर दिया

(ग) उनके चचेरे भाई को मिथ्या भय ने पराजित कर दिया

(घ) इन सभी को मिथ्या भय ने पराजित कर दिया

पाठ्यपुस्तक–से–प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. लेखक को क्यों लगता है कि 'इन सब पिछडे ख्यालातों का हमारे घर में गुजर नहीं हो सकेगा।'

उत्तर : लेखक का परिवार अपने समय में आगे की सोच रखने वाला था, उन्हें लगता था कि पिछडे ख्यालातों का हमारे घरों में गुजर नहीं हो सकेगा–हम निम्न उदाहरणों से समझ सकते हैं–:

(i) माता जी अजमेर में जेल कर चुकी हैं–लंबा जेल, सत्याग्रह के दिनों में।

(ii) पिता जी खुद राजनैतिक–सामाजिक उदारता वाले आदमी थे।

(iii) एक बुआ पढ़ने–लिखने में अपनी जिंदगी डूबों दी, समाज उन्हें कोई चुनौती देने का साहस नहीं कर सकता।

(iv) लेखक के सभी भाइयों में खिलाड़ीपन है।

(v) चचेरे भाई ने अंतरजातीय विवाह, प्रेम–विवाह किया था।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 2. अमरूद के पेड़ की छाया किस प्रकार लेखक को उनके भाई–बहनों के साथ जोड़ती है?

उत्तर : अमरूद का पेड़ और लेखक एवं उनके भाई–बहन साथ–साथ बड़े हो रहे थे, कुछ ही दिनों में पेड़ बड़ा होकर घनी छाँव और फल–फूल देने वाला हो गया, फिर क्या था लेखक एवं उनके भाई बहन उसकी छाँव में बेंत की कुर्सियों पर बैठ कर, चर्चाएँ कर करके अपनी उम्र का फर्क भुल कर, दोस्ताना हरकतें करने लगते। वे लोग प्रायः नए–नए विषयों के बारे में बात कर कभी–कभी लड़ते भी थे। उनका यह काम जीवन का एक अभिन्न अंग बन गया था। इस तरह से लेखक अब बड़े होकर, दूसरे शहर में रहने लगे थे, लेकिन अमरूद के पेड़ और भाई– बहनों से लगाव कम नहीं हुआ था।

प्रश्न 3. लेखक अपने घर वापस जाकर उदासी का अनुभव क्यों करता है?

उत्तर : लेखक जब अपनी पहली छुट्टी के बाद घर आने को काफी आतुर था, लेकिन जब वह घर पहुँचा तो उसे बहुत खेद हुआ चूँकि उसे लगा कि उससे मिलकर कोई खुश नहीं हुआ। उनके बचपन के साथी अमरूद के पेड़ को काट दिया गया था। परिवार में अशांति थी। बडी बहु अलग होना चाहती थी। सबसे छोटा भाई निठल्ला बैठा था। माँ बहुत बीमार रहा करती थीं। इन सब कारणों से वह घर वापस जाकर उदासी महसूस करता था।

प्रश्न 4. लेखक की माँ अमरूद के पेड़ के लगे रहने का क्या दुष्परिणाम मानती थी?

उत्तर : लेखक की माँ अमरूद के पेड़ के लगे रहने का निम्नलिखित दुष्परिणाम मानती थी:

(i) लेखक की माँ बीमार रहती थीं।

(ii) परिवार में क्लेश उत्पन्न हो गया था।

(iii) बडी बहु की अलग अलगाव करना।

(iv) छोटे भाई का निठल्ला रह जाना।

इस तरह से उपरोक्त सभी कारणों को वह अमरूद के पेड़ को ही मानती थी।

प्रश्न 5. लेखक को मिद्दू का क्षोभ क्यों अच्छा लगा ?

उत्तर : मिद्दू का अमरूद के पेड़ के काटे जाने का विरोध करने से लेखक को विश्वास हो जाता है कि उनकी बहन में आधुनिक विचारधारा के प्रति विश्वास है। वह अपने जीवन में रूढ़िवादी सोच को त्याग कर आधुनिक एवं विकासवादी सोच को जगह देगी। यही सोच कर लेखक को मिद्दू का क्षोभ अच्छा लगता है।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 5. 'सूरज पिछवाड़े के पीपल के ऊपर आ रहा था और जहाँ अमरूद का पेड था, वहाँ धूप का एक चकला तेजी से बड़ा होता दिख पड़ा।'

उत्तर : अमरूद का पेड़ घर के जिस अहाते में लगा था, वहाँ हमेशा छाया रहती थी जिसकी छाँव में सभी भाई–बहन एक साथ बैठा करते थे यहाँ तक की पिंजरे का तोता भी वहीं टँगा रहता था, जिसे घर की सारी समस्याओं की जड़, अशुभ ग्रहों के प्रभाव बताकर काट दिया गया था, जिससे घर के अहाते की छाया चली गई थी। अब वहाँ तेज धूप ने अपना स्थान बना लिया था। उसकी तपन अमरूद की छाँव में बैठकर प्यार बाँटने वाले भाई–बहन सह नहीं पा रहे थे। बच्चों को दुःख था कि वे अपनी माता के हृदय से मिथ्या भय न हटा पाए।

भाषा संदर्भ

1. अमरूद फलता–फूलता रहा और अब पप्पु ने एक निहायत छोटा–सा झूला भी उस पर डाल लिया।

यहाँ पप्पु के बाद 'ने' कर्ता कारक चिह्न का प्रयोग किया गया है। 'ने' के प्रयोग से वाक्य में प्रयुक्त 'क्रिया' भूतकाल में परिवर्तित हो जाती है।

जैसे –

करना – किया

चढ़ना – चढ़ा

खाना – खाया

कहना – कहा

लिखना – लिखा

हँसना – हँसा

1. पाठ में आए ऐसे वाक्यों को छाँटिए, जिसमें कर्ता के 'ने' चिह्न का प्रयोग किया गया हो –:

(क) शुरू–शुरू में तो परिवार के सभी लोगों ने उसके प्रति उदासीनता ही रखी या कहूँ, लापरवाही बरती तो गलत नहीं होगा।

(ख) हमारी एक बुआ ने विवाह नहीं किया और पढ़ने–लिखने में हीं उन्होंने अपनी जिंदगी डुबो दी और समाज उन्हें कोई चुनौती देने का साहस नहीं कर सका।

© JCERT not to be republished

(ग) चचेरे भाई ने अंतरजातीय विवाह, प्रेम–विवाह किया है और मुझे तरस आ गया कि कन्हैयालाल की बूढ़ी पत्नी बेहूदा–फूहड़ बात कहती है।

(घ) चुन्नू, मिद्दू और पप्पू ने फुर्ती से नाजुक फुनगियों तक चढ़ने की माहिरी इसी पेड़ से प्राप्त की।

(ङ) मिद्दू ने राखाल के साथ कुछ अमरूद भिजवाए थे और खत लिखा था कि 'इस बरस जबकि अमरूद भरपूर आया है, कोई घर पर नहीं है।

2. निम्नलिखित वाक्यों को सामने दिए गए कारक चिह्नों की सहायता से पूरा कीजिए–

(क) माँ अजमेर ——————————————जेल कर चुकी हैं–लंबा जेल।

(में, ने, को, से)

(ख) दूसरे बरस——————————————जाड़ें में खूब लदा–फदा था।

(से, के द्वारा, को)

(ग) इधर तुम्हारी माँ अमरूद——————————————पेड़ काटने को कहती है।

(ने, का, में, पर)

(घ) मिद्दू ——————————————राखाल के साथ कुछ अमरूद भिजवाए थे।

(से, मैं, ने, के)

(ङ) दुख शरीर——————————————मन पर सिमट आया है।

(ने, के, से, को लिए)

उत्तर–(क) में (ख) से (ग) का (घ) ने (ङ) से

उत्तर पत्रक

गद्यांश – 01

शब्दार्थ –: मायूसी, परिवार, ललकार, निंदा, मुखमुद्रा, ढका हुआ

© JCERT not to be republished

1. प्रश्नों के उत्तर–:

(क) लेखक अमरूद के पेड़ को बढ़ते हुए देख रहे हैं।

(ख) लोगों ने अमरूद के पेड़ के प्रति मायूसी (उदासीनता) दिखायी।

(ग) बाबू कन्हैयालाल की बूढ़ी पत्नी ने एक दिन कहा कि पश्चिम की तरफ अगर मकान का मुखड़ा हो और सामने ही अमरूद का पेड़ तो 'राम–राम' बड़ा अशुभ होता है।

(घ) अम्मा के चेहरे पर थोड़ा–सा भय छा गया।

(ङ) लेखक को विश्वास था कि पिछडे ख्यालातों का हमारे घर में गुजर नहीं हो सकेगा।

(च) लेखक के घर में आधुनिकतावादी विचारों को स्थान मिला था, यही सबसे बड़ी विशेषता थी।

(छ) लेखक और उनके भाई–बहन अक्सर लोगों की कही गई पिछड़ेपन की बातों की निंदा अर्थात् भर्त्सना के ही भाव अंकुरा हुआ पाते थे।

(ज) अम्मा अक्सर अमरूद के पेड़ के कारण उत्पन्न अशुभ प्रभाव को सोच कर भय से व्याप्त रहती थीं

गद्यांश – 02

शब्दार्थ–: माता होने का भाव, इंतिजार, धनी, खजाना, सपना, अपनापन,

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर–:

(क) मिद्दू ने अमरूद के तीन–चार सफेद–सफेद फूल दिखाए।

(ख) मिद्दू के ऊपर वय का ओप चढ़ रहा था।

(ग) घोष बाबु के माली ने माँ को बताया कि पहली फसल के फल तोड़कर फेंक देने से दूसरी बारी में फल खूब और अच्छे आते हैं।

(घ) जब अमरूद में पहली बार फूल आए थे, एवं अम्मा ने अगली बार खूब और स्वस्थ्य फल आने की आशा में, पहले फल को तुड़वाकर फेंक दिया था।

(ङ) जब अमरूद बड़ा होकर फलने–फूलने लगा, तब लेखक एवं उनके भाई–बहन उसकी छाया में बैठने लगे, यहाँ तक की घर के तोते का पिंजरा भी वही टँगा रहता था।

© JCERT not to be republished

गद्यांश – 03

1. प्रश्नों के उत्तर–

(क) जाडे में अमरूद का पेड़ फल से लदा–फदा हो जाता था, जिसके फल गोल, छोटे मगर ललछर चित्तियों वाला होता था।

(ख) जब अमरूद की ढेपियाँ मुलायम हो जाती थी तब उन्हें तोड़ लिया जाता था।

(ग) अमरूद जी भरकर घर में खाए गए। टमाटर और अमरूद के सलाद, मेहमानों का संदेश, साथ ही सुग्गे की खुराक के रूप में।

(घ) लेखक को बड़ा रोमांचित करता था कि उनके घर तथा निकटतम संबंधियों के यहाँ नई पीढी काफी बड़े अनुपात में आधुनिक हो चली है।

(ङ) अमरूद की छाया में लेखक एवं उनके भाई बहन बेंत की कुर्सियों में बैठ कर चर्चाएँ कर–करके अपनी उम्र का फर्क भूल जाते थे और सभी दोस्ताना हो जाते थे। कभी लड़ते–झगड़ते थे और तरह– तरह के मनोरंजन किया करते थे।

(च) अपशकुनों के आरोपों को नष्ट करता हुआ अमरूद का पेड़ लेखन के परिवार का हिस्सा हो गया।

गद्यांश – 04

शब्दार्थ–: बहुत अधिक, कष्ट, जल्दी–जल्दी, मुस्तैद, शाम, कमजोर, जागरण, जागरण, लीन, मन में तृप्ति का भाव, सर्वाधिक शक्तिशाली, भयभीत समाज शास्त्र का, छूना।

1. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर–

(क) पप्पू ने छोटा झूला अमरूद पर लगाया था।

(ख) जिस दिन लेखक नौकरी पर जा रहे थे, उस दिन उनकी माता जी खूब रो रहीं थी, जिससे उन्हें एवं उनकी माता जी को घर एवं माताजी से अलग होने का क्लेश हो रहा था, उन्हें लग रहा था कि वे शीघ्रातिशीघ्र घर छोड़कर निकल जाए।

(ग) जमुना पुल पर डूबी हुई साँझ ने लेखक की सबसे ज्यादा अपनी माता जी, फिर अमरूद के पेड़ की याद आई चूँकि माता जी की सेहद खराब रहती थी एवं अमरूद के पेड़ पर लोगों की नजर थी कि उसे काट देना है, उसकी दिशा अशुभ है।

© JCERT not to be republished

(घ) अमरूद के पेड़ ने जब से जन्म लिया था, सभी ने उसके साथ उपोग का भाव रखा था क्योंकि वह जिस दिशा में उगा था, उसे घर के बड़े अशुभ मानते थे। यह पिछड़ेपन की पहचान थी, किन्तु लेखक एवं सभी भाई–बहन उसे जीवित एवं हरा–भरा रखना चाहते थे, जो कि आधुनिकतावादी विचार धारा को दर्शाती है उस समय सब में नई विचारधारा का संचार होना, प्रगति की जागृति महसूस कराती है।

(ङ) माँ अपने बच्चों के नए और बलिष्ठ ख्यालों के प्रति असहयोग कर रही थी।

(च) जब–जब अशुभ के ठेकेदारों ने अमरूद के बाबत कुछ कहा, लेखक और उनके भाई–बहनों ने उसका विरोध करके उसका जवाब दिया।

गद्यांश – 05

शब्दार्थ–: बीता हुआ, भावना प्रधान, प्रहार करने वाला, कुफ्ल, क्षय नामक रोग (टी.बी), कल्याणकारी, पकड़ा हुआ, पिघला हुआ, कठिन, संबंध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर–:

(क) मिद्दू ने राखाल के साथ अमरूद भिजवाए थे।

(ख) मिद्दू ने खत में लिखा कि इस बरस जबकि अमरूद भरपूर आया है, कोई घर पर नहीं है।

(ग) पिताजी की चिट्ट्रियों में एहसास की चादर ओढ़ने का प्रयत्न या दबाव रहता था।

(घ) लेखक महसूस करते हैं कि थोड़े ही समय में ही दुनिया में बहुत परिवर्तन हो गया है और यह परिवर्तन तेजी से दूसरे परिवर्तन की भूमिका बनता जा रहा है।

(ङ) माँ की बीमारी के बारे में लेखक के पिता की राय थी कि जो उनकी पत्नी के फेफड़े में जो धब्बा उभर आया है, वह अशुभ–ग्रह–नक्षत्र का दुष्परिणाम है।

(च) अब संपादक को पात्रों का यक्ष्मा से ग्रसित होना द्रवीभूत नहीं कर पाता। अच्छे संपादक ऐसी कहानियों से ऊब गए हैं।

(छ) आज मृत्यु भी असहय नहीं रह गई।

(ज) पिता ने बड़ी बहु–बेटे की चख–चख की बात कर रहें हैं बताते है कि वे अलग होना चाहते हैं, जीना मुहाल कर रखा है। खुद तो ताजी रोटियां खा जाती है और हम लोगों को बासी रख देती है।

© JCERT not to be republished

गद्यांश — 06

शब्दार्थ—: अल्प मात्रा में, धीरे—धीरे, बेचैन, उकसाया हुआ, बहुत बड़ा या भारी, क्रिया में लगा हुआ।

1 निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर—:

(क) राखाल जो अमरूद लाया था वह बाजारू अमरूदों की सुंदरता से बहुत भिन्न होकर भी स्वादिष्ट थे।

(ख) अमरूदों के और दोस्तों के बीच अच्छा समय गुजारते हुए, लेखक भावुक हो गया।

(ग) जब लेखक छोटे थे एवं उनके घर में अमरूद का पेड़ नहीं था तब लेखक अमरूदों के लिए दूसरों के बंगलों की चार दीवारियाँ कूदकर अमरूदों की चोरी किया करते थे और पकड़े जाने पर बुरी तरह गिड़गिड़ाया करते थे।

(घ) अब लेखक के घर में फलता—फूलता अमरूद का पेड़ है यह गौरव की बात है।

(ङ) पप्पु को भौजाई से डाँट मिलने का कारण था अमरूद ही था। अमरूद के कारण उसके बहुत सारे दोस्त बन गया था, जिसे वह अमरूद बाँटते रहता था।

(च) जब कभी लेखक शहर में कभी—कभार होटलों के लॉन में लगे रंगीन छाते को देखता तो उसे अपना अमरूद याद आ जाता था। बड़े से हरे छाते के रूप में।

(छ) घर जाने की पहली छुट्टी जब लेखक को मिली तो उनका मन बड़ा आतुर हो गया। तन—मन पर घर जाने की खुशी छा गई। फिर से जमुना—ब्रिज में उन्हें अपने घर—गाँव पहुँचने के अहसास का रोमांच जाग गया। वे जल्दी से घर पहुँचना चाहते थे।

(ज) सुखद बेचौन रात का आशय है कि लेखक को बहुत दिनों के बाद छुट्टी मिली है उनका मन फिर से अपने गाँव जाने के लिए आतुर हो उठा। गाँव और घरवालों से मिलने की उत्सुकता ने उनकी आँखों की नींद ले ली थी।

(झ) इलाबाद की आत्मा में बहुत क्रांति है।

गद्यांश — 07

शब्दार्थ: कोशिश, हार, योग्यता, दिलासा देना, क्षणभर जीवित रहने वाला, निकम्मा, कुपरिणाम, ढ़ाढ़स, व्याकुलता, बहुत अधिक, पूर्णतः स्वच्छ करना, शुद्धीकरण।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर—:

(क) पहली छुट्टी में लेखक को घर पहुँचने की काफी आतुरता थी, किन्तु घर के बड़ों में कोई स्वागत का भाव न देकर उन्हें काफी खेद हुआ।

© JCERT not to be republished

(ख) लेखक को अवनींद्र बाबू का चित्र याद आ गया।

(ग) बुढ़े पेड़ की आत्मा, अपने को तोड़ देने के प्रयत्न में सुखी है क्योंकि उसे यह जानकारी है कि उसकी घेर में एक नवल तरु उग आया है।

(घ) अमरूद को काट कर गुलदाउदी और केले की क्यारियाँ बनी थी।

(ङ) माँ को मिथ्या भय ने पराजित कर दिया था।

(च) माँ मान बैठी थी कि घर में होने वाली सभी घटनाओं का जिम्मेदार अमरूद का पेड़ है उसी के अशुभ प्रभाव का नतीजा है कि बड़ी बहु अलगाव—भलगाव, छोटे का निठल्लापन, खुद उनकी बीमारी और लोगों का धंधे से बिखर जाना।

(छ) मिद्दू के गुस्से का कारण था कि घर के अहाते से अमरूद का पेड़ का कट जाना, जिससे पीछे बडा सा धूप का चकता बरामदे में घुस रहा था। वह आधुनिक विचारधारा को मानने वाली लड़की थी, पिछड़ेपन की सोच के कारण हरा—भरा पेड़ काटा गया, इसका भी दुःख उसमें था।

(ज) लेखक को मिद्दू का आधुनिक विचारधारा का समर्थन करना अच्छा लगा।

अन्य महत्वपूर्ण — प्रश्न

1. हाँ हमारे आस—पास भी कुछ अंध विश्वास पल रहें है जिसके सूची निन्न प्रकार से है—

(1) डायन प्रथा (2) तंत्र—मंत्र (3) झाड़—फूँक (4) बिल्ली का रास्ता काटना आदि।

उपरोक्त सभी से हम एक ही उपाय से बच सकते है, वह है जागरूकता एवं शिक्षा।

2. किसी के अहाते के फलदार वृक्ष देख कर हाँ बाल मन उसे पाने और खाने के लिए ललचाने लगता है। लेकिन मालिक के बिना अनुमति के फल तोड़ते पकड़े जाने पर डाँट मिलती है, सो तो मिलती है, घरवालों को बता देने की धमकी भी मिलती थी, जिससे फिर घर में पिटाई का भय लगा रहता था।

लेकिन उन फलदार पेड़ो को देखकर, पेड़—पौधे और फूल की क्यारियाँ लगाने का शौक भी हमें बचपन में खुब चढ़ा। हम भाई—बहनों के द्वारा लगाए गए अमरूद, सरीफा, आम, नारियल अभी काफी फल—फूल रहे हैं, जिसे देख कर बड़ा आनंद आता है।

© JCERT not to be republished

उन फलदार पेड़ों के मालिक, फलों को परिवार एवं संबंधियों के साथ मिल–जुल कर खाते होंगें एवं उन फलों का व्यापार करते होगें।

बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर

1. (ध) अमरूद
2. (ख) पश्चिम की तरफ मकान का मुखड़ा हो तो सामने अमरूद का पेड़ अशुभ होता है।
3. (ख) अजमेर
4. (क) पढने–लिखने के कारण
5. (क) लेखक के चचेरे भाई ने
6. (घ) कन्हैया लाल की बुढी पत्नी
7. (ख) अर्थ
8. (ग) मिद्दू
9. (घ) पप्पू
10. (क) घोष बाबू के माली ने
11. (ग) दीदी का
12. (क) नई पीढ़ी बड़े अनुपात में आधुनिक हो चली थी।
13. (घ) अमरूद
14. (क) जागृति
15. (ग) बच्चों के साथ
16. (क) मिद्दू ने
17. (घ) पिताजी की
18. (ख) पिताजी का
19. (क) वह जिसे चाहे, उस पर अमरूद लुटाता था।
20. (ध) लेखक के प्रति घर के बड़ों में कोई स्वागत भाव न देखकर

21 (क) तब उनकी माँ को मिथ्या भय ने पराजित कर दिया।

© JCERT not to be republished